सदैव पाठकों के साथ

नवभारत

भुवनेश्वर
बुधवार
25 मई 2017

डांसर का किरदार निभा सकती हैं कैटरीना कैफ

11

आर्थिक व सामाजिक अभिवृद्धि के साथ बदल रहे शिक्षा के मानदंड

■ नवभारत ब्यूरो | भुवनेश्वर.

समाज को सही राह दिखाने में शिक्षा का योगदान सबसे अहम है. शिक्षा समाज का दर्पण है. एक स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा के साथ शिक्षकों की भूमिका भी अहम होती है. देश में बदल रही आर्थिक व सामाजिक अभिवृद्धि के साथ शिक्षा का मानदंड भी बदल रहा है. आधुनिक शिक्षा पद्धति के प्रति धीरे- धीरे विद्यार्थियोंऔर अभिवावकों का रुझान बढ़ रहा है. राज्य से सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय उत्कल विश्वविद्यालय से भारत सरकार के सुनामधन्य विश्वविद्यालय तथा आईआईटी जैसे तकनीकी शिक्षा संस्थान समाज को नई दिशा देने का काम कर रहे हैं. प्रस्तुत है राष्ट्रीय शिक्षानुष्ठान बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी के पहले कुलपति प्रोफेसर सुधाकर पंडा से 'नवभारत' की बातचीत के प्रमुख अंश...

सवाल: पहली बार एक निजी शिक्षण संस्थान से जुड़ने में आपके लिए क्या चुनौती है?

जवाब: एक शिक्षक के लिए सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान में कोई भेदभाव नहीं रखना चाहिए. हर जगह विद्यार्थी समान होते हैं. यह

मेरे लिए चुनौती नहीं बल्कि एक अवसर है.

सवाल: राज्य में कई निजी शिक्षण संस्थान हैं, इनमें से बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी की खासियत क्या है?

जवाब: यह सिर्फ एक शिक्षण संस्थान तक सीमित नहीं है. यह विद्यार्थियों की साधना का क्षेत्र है. यहां उच्चकोटि की शिक्षा देने के साथ विश्व स्तर पर हो रही आर्थिक, वाणिज्य और वित्तीय व्यवस्था के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा की जाती है.

सवाल: आपका मुख्य फोकस किस चीज पर रहेगा?

जवाब: बीजीयू छात्र-छात्राओं के लिए एक ऐसा माहौल बनाना चाहता हूं जिसमें विद्यार्थी खुद को अन्वेषण कर सकें. इसके अलावा बच्चों को आर्थिक, वाणिज्यिक, मैनेजमेंट और जर्नालिजम क्षेत्र में भी नये शोध करने के लिए प्रोत्साहित करना हमारा मुख्य उद्देश्य है.

सवाल: आज हर जगह प्रतिद्वंद्विता है, एसे में आप संस्थान को कैसे तैयार करेंगे?

जवाब: विश्वविद्यालय के ढांचे में रहकर ही छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बाहरी दुनिया के लिए तैयार करना पड़ता है. शिक्षकों को अपने क्षेत्र में खुद की पहचान बनानी पड़ती है और छात्र-छात्राओं को अपने आगे के जीवन के लिए. बिड़ला दोनों को पढ़ने और बढ़ने का अवसर देता है.

सवाल: यूनिवर्सिटी की तरफ से नये पाठ्यक्रम के लिए क्या योजनाएं बनाई गई हैं?

जवाब: देश के करीब 12 राज्यों से छात्र-छात्राएं यहां पढ़ रहे हैं. इसमें बीबीए, एमबीए, मास कॉम एवं जर्नालिजम के विद्यार्थी शामिल हैं. इस वित्तवर्ष में इकोनॉमिक्स और कॉमर्स में नये पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं. इस विषय पर विभिन्न शिक्षाविदों से चर्चा जारी है.

सवाल: प्लेसमेंट के क्षेत्र में इस शिक्षण संस्थान की स्थिति क्या है?

जवाब: इस शिक्षण संस्थान में छात्र-छात्राओं के लिए शतप्रतिशत प्लेसमेंट व्यवस्था है. यहां के विद्यार्थियों को अपने करियर के पहले चरण में ही विश्वस्तरीय कॉर्पोरेट हाउस में काम करने का मौका मिलता है. यहां पर विद्यार्थियों को ग्लोबल लीडरशिप का भी प्रशिक्षण दिया जाता है.